

1. Write a note on Green Revolution.

अनुष्ठानिक विषयावधि अवधि तारीख १५ जून २०२०- या दिनके
शुरू होण्याच्या दिनी, या अवधिर आवृत्ते कृतिका संस्कृतिग्रहणार
आण्याऱ्या शक्ति आवृत्तिका मिळाले युवांगांचे कृपालुविहीन कृत्या होण्या
चिल, येतन दौऱ्या घोषितमील वीज [HYV], यानुकूल कृति अवृत्ताऱ्या,
आवृत्तुविहीन, कीटनाशक शक्ति आवृत्तु युवांगांचे कृत्या। प्रथमता
आवृत्तुविहीन विजाती अस असा यांची नाथतरु दृष्टिरूप, एवढे
उत्तरापांची तयारी ई रामेन्द्राज चौका उपविष्टि वृहत्तु अनुष्ठानिक
विषयावधि असेहीद्या अंक दिल, या उपविष्टिमील विकल्प कृति
उत्तरापांची यांची नाथतरु फैला कृति गावेखणा ओ संस्कृतिके
काढे लागियेचिल.

ବେଳେତେ କଣ ଲାଲ ଯାହାରୁ ଆଖିବୁ ଦେଖୁଁ,
କାହାରୁ ଅଛନ୍ତି ଅବୁଜ ବିଷୟ କହିଲୁ ଆଜି କୁଳୁ ହୁଏ, ଥାବୁ
କାଳ ପ୍ରାଚୀନମ୍ଭୁ ଉତ୍ତରାଦିନ ଦୂରୀ ଥାଏ, ଯିକେବୁ କହିଲୁ ପାଞ୍ଚାବ,
ହକ୍କିଆନ ଏବଂ ଉତ୍ତର ପାଦକେ ଏହି ଉଦ୍‌ଘାଗେ ଉଧିନ ଆଇଲୁ
ଯାନରାଶିଲି ହିଲୁ ଗାମେବୁ ଏହି ଯାନରାଶିଲି ଫାହ ଏବଂ ଗାମେବୁ ଅବିଲ
ଅଣିହାଣି ଫାନ୍ଦୁମ୍ଭୁରୁ ବିକାଳ, ଅବୁଜ ବିଷୟରେ ଦୀର୍ଘମୟାଣି
କୁଣ୍ଡଲି ବନ୍ଦନା କିମ୍ବାରୁ ଭାଗେ ପବିତ୍ରମାନୀରୀ ଯିକ୍ଷାଧନ
ବାହାନେ ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବାହାନେ ରେ କୁଣ୍ଡି ଥିଲା, ପାଢିନ କୀନ
ଏବଂ କୃଧକ ଆଶ୍ରମ୍ଭ୍ୟାରୁ ଭାଗେ ବୃଦ୍ଧତର ପବିତ୍ରମାନାଟ, ଆରିକ
ଏବଂ ଆମାକିର ଉତ୍ତରାଧିକ କୁଣ୍ଡି କରିଛୁ, ଅଣିଯଦିନ ଦେଖା
ଗଲେ, ଦ୍ୱାରାଧୂନିକ ଏବଂ ଯୁଵାରୁ ରଖିଲୁ ଆଦିର ଅବଳି ହେଲୋଇ,
ଥାବୁ କାଳ ଦକ୍ଷେତର ଅନ୍ତର କୃଧକ କୃଧି ଯୁଵାରୁ ରେଖ ଦାଖିଲେ
ଏବଂ କୃଧକ, ଯୋଦୁ ଓ ଜଳ ଅବସରାଇ ଅଣିଯାଇକ ଉତ୍ତର ପାଞ୍ଚାବ।

आवृत्तिशायक ग्रन्थि ओं स्मरणीय

आवृत्तिशायक अवृद्धि विषयावधि अभियंग आद्य आचरणाद्य फल
एवं किंचु राजाकृष्ण ग्रन्थि द्वाद्या राख्यात्,

- अम एव घासीतापास - एवं स्मरण भूमि या आवृत्तिशायक अवृद्धि
विषयावधि फलक वला है। तिनि ऐसा उपाले पात्रादः द्वा
-रूपाभिर्माणे उद्देश्ये रुपा देखिया,
- चिकित्साम भूखासानिधाम, जोहे अभियंग आद्य ओं कृष्णानन्दी अवकर्षन
आवृत्तिशायक, - एवं अवृद्धि विषयावधि वाटातेश्वर - फलक वला है।
- गिरियाम - तिरु अमरेत्यालके गम विषयावधि फलक वला है,
- बिजाती एवं अस्त्राम रेत्वेव र्घामी,
- इतिहास अथिकालमाद् विद्यार्थ इनडिपेंसिटी (IARI) - एवं अति
स्मरणीय।

अवृद्धि विषयावधि दर्शावन्तर्गत

- अमाद्य दर्शात् (१९५५-५७ वर्षाके १९८०-८१)
- छिंगीद्यु दर्शात् (१९८०-८१ वर्षाके १९९५-९६)

अवृद्धि विषयावधि - लकड़ीप्रसादगृह

- एक घटनाकील, - उन्नत वीजित व्यवसाय
- दृश्याध्युतिक आवृत्ति व्यवसाय
- उन्नत अवृद्धिक व्यवसाय
- निविपु दृष्टि रुपा वार्ड्रूपी

- କୁଣ୍ଡାଳ
- କୃଷି କିମ୍ବା
- ଶାନ୍ତି ଅନୁଷ୍ଠାନ
- ପରାମର୍ଶ ଚକ୍ର
- କୃଷି ଅନୁଷ୍ଠାନ
- ବୃକ୍ଷବାଦୀ ଫନ୍ୟ ସ୍ଥାନର ଜୁବିଷା (ଧିନ ଅନ୍ଦାନ)
- ଆମୀନ ବୈଷ୍ଣବିକାରୁ
- ସାଙ୍ଗ ଓ ଉତ୍ସବର ଅନ୍ଦାନ
- କୃଷି ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଲୟ ଓ ଗାନ୍ଧୀଜୀ ଉତ୍ସବାବ୍ୟାକୁଳ

ଅନୁଭୀତି :-

ମନ୍ତ୍ର ଉତ୍ସାହ :

ଅଧିକ ଉତ୍ସାହ ଛିଲ ଗମେବୁ ଏହି ଯାତନକୀଳ ବିଚି, ଗମେବୁ
ଅଧିକ ଅଣିହାରୀ ର୍ଜପ୍ରଦ ଭୟିବୁ ଫନ୍ୟ, ବୀଜିବୁ ଏହି-ଯାତନକୀଳ
ଜାତ (HYV) ଅବର୍ଜନ କରି ଉତ୍ସାହ ଆବେଦନ ଆବୁ ଓ ଏହି କୌମଳ
ଦେଖିବୁ ଆଦ୍ୟବିଜ୍ୟୋ ଘୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍କୁ ବନ୍ଧୁବୁ ଫନ୍ୟ ଉତ୍ସାହନ ବୃଦ୍ଧିବୁ
ଦିବେ ପଦିଶାନିତି ବାବେ, ଉତ୍ସାହ ଆବୁତେ କୃଷିର ଉତ୍ସାହ
ଆବୁତେ, ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜାତ ଏହିନ ବାନ୍ୟାନ ଆବେ ଅବର୍ଜନିକା
ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଏହିଲ୍ଲାଙ୍କ ଆବୁ ଗମେବୁ କରି ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଆବୁରେ ଅବର୍ଜନ
ବନ୍ଧୁ ହୁଏଇଲା। ଶୃଷ୍ଟି-ମନ୍ତ୍ରାଳ୍ୟ (ମର୍ଦ୍ଦି) ରୂପୋହ ଏହି ଯାତନକୀଳ
ଜାତ (HYVs) ବୀଜିବୁ ସ୍ଥାନର ଆବୁନିକ ଚାଷ ମନ୍ତ୍ରାଳ୍ୟ ଆବୁ,

ଜାବୁତ୍ତେ ଘୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍କୁରୁଗ ବୃଦ୍ଧିତେ ଗମେବୁ ଉତ୍ସାହନ
ଆବୁରୁଗ ଥାଳ ଦିପୋହ, ଏହି ଯାତନକୀଳ ବିଚି
ଅବୁ ଏହି ଜୁବିଷାବୁ ପାନ୍ଧୀପାନ୍ଧୀ ବୃକ୍ଷବାଦୀ ଉତ୍ସାହ
କୃଷି ବିଷ୍ଵବିଦ୍ୟାଲୟ ବିଜ୍ୟାକେ ଅଚଳ ବାବୋ ବ୍ରାହ୍ମାଣ୍ଡନିକ

कीटनाशक ओआर्टु ब्यूथारू वृक्षिक काषत आर्टी और जग्गिते
संस्थानिक उत्पाद प्राप्ति (एमर-जग्गिते इच्छा),

अन्यान्य अनुकूलित :-

अन्यान्य सकृदिग्दलिष्ट उर्ध्वो वाहिका उर्ध्वो
एनमील एव्वेस (HVs) वीज, और अवकाशाद्या, कीटनाशक,
कीटनाशक एवं शार्किनाईज्व ब्यूथारू, एक्सिल्प्स्पूड अवाग्रीकृत,
एमिउन्फ्लू, उत्तर प्रामीन अवकाशाद्या, दूधि ईमेन्ड अवृद्धारू,
ब्यूथारूनिक वा आर्क्टिक आर्टु ब्यूथारू, ब्ल्यूफ्लॉव वा चिप
और ब्यूफ्लॉव ब्यूथारू एवं उत्तर घनपाति ब्यूथारू,

अनुष्ठि विषयवस्तु इच्छा :-

आवृत्त अनुष्ठि विषय प्राप्ति १९५५-५७
आलेह लोभ्यु दिके उमनुर्जातिक दाता
उत्तर एवं आवृत्त अवृद्धारू कार्त्ति ज्ञान प्रकाशि
उत्तर वर्षार्द्धिक अवृत्त हिमादि पाण्डित अवृत्त इच्छिता।

विशेष ज्ञान अवृत्त, आवृत्त भव्य अवृत्ति लोभ्यु
अवृद्धारू उत्तरार्द्ध उत्तर भव्यता हिम, अल्पकृत, घण्टा
आवृत्त व्याप्तिता लोह वाहु, दूर्वल देखाति इन इन इन
इच्छा, उमार्द्धि अवृत्तिकीला एवं वाहु उत्तरपादन भीलाय
जन्य झुंकिर्द्वा इरु पात्तु। उह वाहुशिलि आवृत्त अवृत्ति
उत्तर लोभ्यु शिखादि अनुष्ठि विषय वायव्याधारू एवं
प्रकाशि इच्छा रेखी वाहुचिता।

इन इन इच्छा :-

१९५४-५५ एवं १९५५-५६ आल, आवृत्त
इच्छा इरुपात्तु अवृत्त अवृत्तिकीत इच्छिता घाव
घाल देखाति अवृत्तिकीत उत्तराध्यारू अवृत्त
भावाधारू घावाति एवं इच्छा देखा देखा।

आर्थिक वृधि असुक्ति दुर्भिकार - खिळाधूनी आवाहिना
 काढ़ारू रोकल अदान काढ़ा। याचीनतारू आर्द्रे असुक्तु दुर्भिक
 निष्ठे विक फुटोड, केवे केवे शुक्ति दिघुचिलेन एवं १९८० अव०
 २० जानेवे विक्कि वारू अव० वृधि नीतिरू छाढ़ा अद्वानि
 शीरू उपचिल अव० अनुया उपनिवेशिक आजातरू अहे
 विद्युतरू अजायक आज वारू।

अर्थरू अजाव :

आंतिक वृधवाया असुकारू अव० व्यास्करू वारू
 एक आंतिक इलें अर्थ अव० क्षितिरपते
 असुक वासि याल इले वारू अव० गाई ताया अराजिनदेव
 गाई असुक विकारू हो। ताया उभिकू डालिकदेव वारू एवं
 क्षिति निष्ठुचिल, याया उष्टु शारू त्वां निष्ठुचिल अव० क्षिति
 अविकोष्टि जन्य वारू रोके वारू काढ़ारू जन्य वृधवादेव
 ज्ञानां वारूचिल, असुक विष्टावू असुक बांगापांग एवं
 देव्या अपूनि, या असुकरू वृधवादेव अलेक अमाया अ
 द्वार्णाप्रू उक्ति वारूचिल। असुकारू ओ क्षितिरप्तदेव असुक
 वारूचिल।

निष्ठ उलोदनकीलग :

असुकरू दुर्भ वर्द्धमान उलोदनकीलग
 साहित्येकिते, रोकेवू अविह्यारी वृधि
 लाक्षणि अलर्गात असुक उलोदन वारूचिल। १९८०-८१ दिनाक
 अरू राज उलोदनकीलग वारूते असुक असुकारू
 व्यास्ति अथा देवू या अन्यान्य उलोदनकील रोकेवू इलापू
 असुकां शूक्तुचिल। वृधि असुकिग अप्रगति उलोदनकीलग
 दुक्ति असुकारू निष्ठारू,

अमा भाइना

अबूल यिन्हेव शहू आर्थिक यजूदश्वलिते अचूक
 आर्टिलिंग अबूलिंग अनुष्ठित। शास्त्रादे, रेखाने अति आर्थिक
 चालू राखूहिल, अबूल यिन्हेव याज्ञवृक्षी उपाधान उत्तमधोग्या
 वृक्षी बांधू, या अवृत्ते आर्थिक आर्टिलिंग अभावन काढ़।
 १९७० वर्षाल नापान, शास्त्रादे देखू राहो आद्यक्षाज्ञवृक्षी १०%
 उपाधान काढ़ एवं वृक्षकादृष्टि भवृक्षी १०%. अहू येक्षि वृक्षी
 शाढ़। अबूल यिन्हेवकृ शहू शास्त्रादे अबूलिंग अवन द्रवादि
 आडल राखू उठे या अन्यान्य याज्ञवृक्षी लौटानाहू आवश्य
 काढ़हिल।

ମହିଯେକାଗ୍ରହଣ ଘଟି

ଆହୁ ଓ ବୀଦ୍ରିମାନେବୁ ଅଣ୍ଟାଳିକ ଏବଂ ଅତୁଳେ
ଯୁଦ୍ଧ ସ୍ଥରରୁ ଉପରଥାକୁ ଦୂର୍ଧିତ କାହୁ ଏବଂ
ଉପରାହି ଲୋକାଭାବରୁ ଓ କନ୍ତୁଆଶିକେ ଯେତ୍ର କାହୁ ଆପି ଆପିଦ୍ଵିତୀୟ
ଅଣ୍ଟାଳିକ ସ୍ଥରରୁ ଯୁଦ୍ଧରୁ ଜାଗର ଦ୍ୱାରା ଏବଂ ଏହୁ ଦୂର୍ଧିତ କାହୁ,
ବ୍ୟାସର ଏବଂ ପାତ୍ରତିଷ୍ଠାନର କେବେ ମଧ୍ୟରୁ ଆପିଦ୍ଵିତୀୟ କାହୁ,
ଏଗର୍ଜିଷ୍ଟ୍ର୍ସ ଦାତିଦ୍ଵାରା ନାମିକିତାରେ କାହୁ ଗୋଟିଏ, ଅର୍ଥିତିନ୍ତିରୁ,
କାହୁକୁ ପ୍ରଧାନ ଫାଯାଲେବୁ ଉପରୁ ଅଣ୍ଟାଳିକ ନିର୍ମଳୀୟ ଘାଲେ
ବୁଝକାନ୍ତିରୁ ଫୀଦୀଯେଚିନ୍ତ୍ୟ ନାହିଁ ରାଧ୍ୟରେ ଏବଂ ୫୫୫୦ ଆଲ ରଖି
ଏହୁ ହୋଇନାବୁ ଯାଇଲା ରାଧ୍ୟରେ।

ଅନ୍ତର୍ଜ୍ଞାନିକ ବୈଜ୍ଞାନିକ ସ୍ଥଳୀତିଃ

अबूल यिस्तर कुक्कुमार आ गए हैं और
अन्नायतार्थ दृष्टिनिष्ठा उल्लाखार्थ इन्हीं द्वारा
प्रधार्षि जलस्तु ज्योतिर्गत इस आदर्श या अन्नकलशलिङ्के बाद
दृष्टि उपेत्तिल या दृष्टि दृष्टिलक्षणी गये अन्नम विश्ववाणी
दृष्टि दृष्टि अन्नकलशलिङ्के जलस्तु बाहरी उपेत्ति
HYV वीज अन्नकलशलिङ्क आदि कुक्कुमार मिलिच्छ इन सरुवद्यार्थ
ग्रंथ ग्रामार्थलिंग का दृष्टि दृष्टि ग्राम भवाल उल्लाखप्रद

ଆମ୍ବାଜ ଆଏ ଏକାପି ଉଦ୍‌ଦିଇ ଆଧୁନିକ କବ୍ୟ ପରେ ଲାଗୁ । କୁଣ୍ଡଳ
ଏହି ଉତ୍ସାହପୂର୍ବ ନିଷ୍ଠା ଉତ୍ସାହିତୀ ଆଧୁନିକ ଅଛିଲା ଯେ ଯାହିଲା କବ୍ୟ
ହେବା ପାଞ୍ଚାବ, ହବିଧାଳା, ଉତ୍ତର ଅଧେର ଏହାଦି ଶୁଣ୍ୟପୂର୍ବି
ପରେତ ଜାଲ ତାର ଅର୍ଦ୍ଧ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଶୁଣ୍ୟପୂର୍ବି କୃଧି ଉତ୍ତରପାଦତ
ଶ୍ରୀର ପାତିତୁ ଶୁଣି ହୁକର୍ତ୍ତ କାହେବା ।

ଯିବଳେ ଚାଷ ପାଇତି

असुर विश्व गृहीत रथारु दायद
वद्यपुलित प्रतिकूल लक्ष्मिभगवत् अर्थ
आमाजिक असाधु कायदे रेकार्डारु अभज्ञान्वित आमाज
आजाह। अर्ह चालेपुङ्क आकाशिला कम्बारु उन्नत्य वृक्षित् अन्यास
विकलारु अविज्ञव रथारु अमन राहे जीविका धार्यार,
लाहियाहिक वापस्थान, नहुन फुग्य वाप्रिस, दात्रु वातिर्विति
चार्निं वालेप्पित्तज अर्थ रेक उपारु उन्नाला, द्वाजायनिक
झुठ आद्य उपासामतेरु आधिकृत उपभ्य तिथ नायी अववाहु
देकेरु असुर विश्व अस्त्राल अवविद्यास अस्थिर लक्ष्मियारु
स्फुरि व्यव्यापनारु विकल्प व्यव्याप्त अर्थ व्याप्त घालालारु
उन्नत्य गाद्य लिप्य चर्यीका-तियीका कयुरो। रेकार्डारु
उपभ्यामतेरु शिवालारु उपारु लिति कारु उपभ्युत् आत्रि दक्ष
असुरिः आर्य अतियम्पत् वृक्षि व्यव्याके अवीक्षु वाहु
दृष्ट अवाहेरु आद्य उपासामतेरु उन्नत्य वानिप्पिका आजाल
त्रिवी राम रथारु।